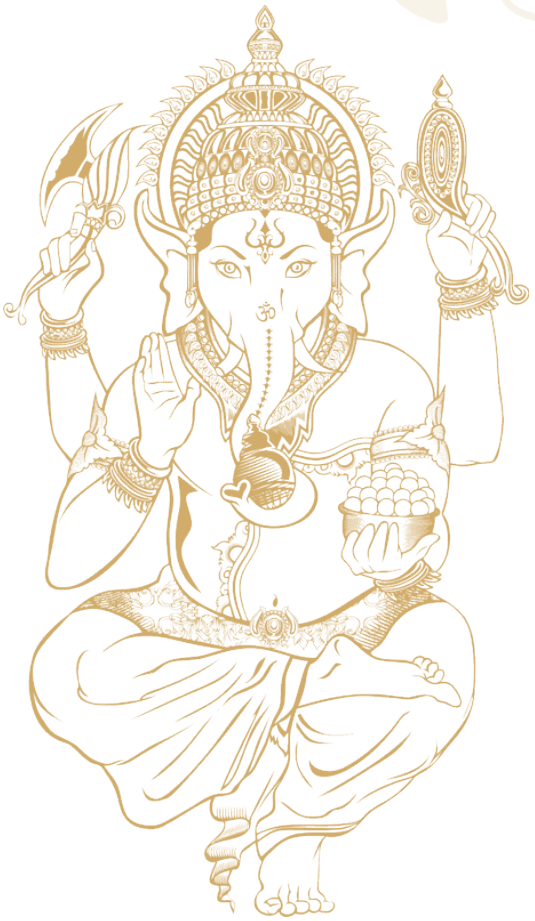

Mr.

07 Feb 1996

02:30 PM

Patna

Model: web-freekundliweb

Order No: 121294307

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**07/02/1996**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**14:30:00 घंटे**
इष्ट	19:59:10 घटी
स्थान	**Patna**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:37:00 उत्तर
रेखांश	85:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:40:48 घंटे
वेलान्तर	-00:14:08 घंटे
साम्पातिक काल	23:47:54 घंटे
सूर्योदय	06:30:20 घंटे
सूर्यास्त	17:36:33 घंटे
दिनमान	11:06:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	24:03:40 मकर
लग्न के अंश	14:18:26 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	अतिगण्ड
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टू-टूंगर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	14:18:26	321:47:39	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	---
सूर्य			मक	24:03:40	01:00:47	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	24:28:44	12:25:20	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
मंगल		अ	मक	29:46:28	00:47:27	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	उच्च राशि
बुध			धनु	28:40:57	00:45:48	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	सम राशि
गुरु			धनु	13:45:16	00:12:01	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			मीन	04:08:38	01:11:16	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	उच्च राशि
शनि			कुंभ	28:58:15	00:06:33	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	स्वराशि
राहु	व		कन्या	25:00:13	00:05:48	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	25:00:13	00:05:48	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	07:43:10	00:03:26	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
नेप			मक	02:16:19	00:02:09	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	09:05:22	00:00:58	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	02:53:55	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:17

लग्न-चलित

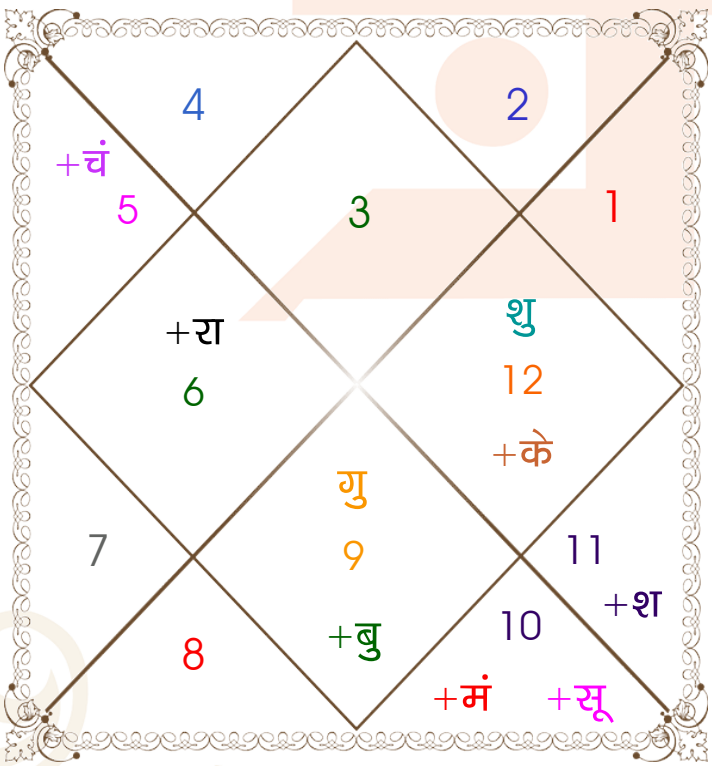

चन्द्र कुंडली

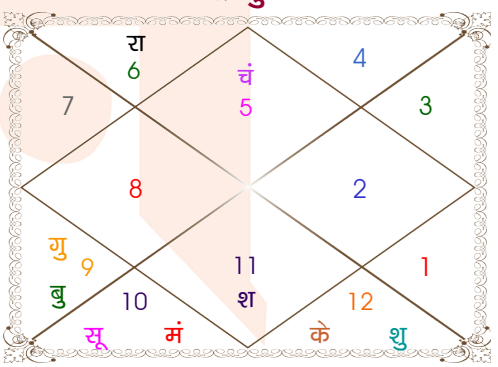

नवमांश कुंडली

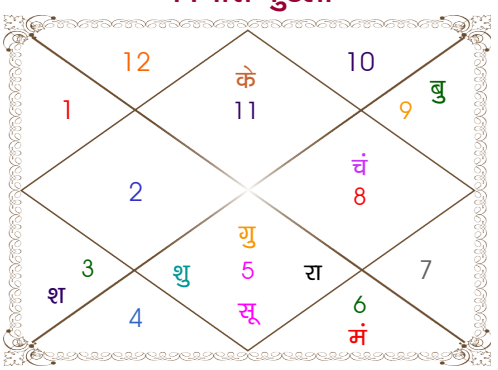

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 3 वर्ष 3 मास 11 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
07/02/1996		21/05/1999		20/05/2005		21/05/2015		20/05/2022	
21/05/1999		20/05/2005		21/05/2015		20/05/2022		20/05/2040	
	00/00/0000	सूर्य	07/09/1999	चंद्र	21/03/2006	मंगल	17/10/2015	राहु	31/01/2025
	00/00/0000	चंद्र	08/03/2000	मंगल	20/10/2006	राहु	03/11/2016	गुरु	26/06/2027
	00/00/0000	मंगल	14/07/2000	राहु	20/04/2008	गुरु	10/10/2017	शनि	02/05/2030
	00/00/0000	राहु	07/06/2001	गुरु	20/08/2009	शनि	19/11/2018	बुध	19/11/2032
	00/00/0000	गुरु	27/03/2002	शनि	21/03/2011	बुध	16/11/2019	केतु	07/12/2033
	00/00/0000	शनि	09/03/2003	बुध	19/08/2012	केतु	13/04/2020	शुक्र	07/12/2036
	07/02/1996	बुध	13/01/2004	केतु	20/03/2013	शुक्र	14/06/2021	सूर्य	01/11/2037
बुध	21/03/1998	केतु	20/05/2004	शुक्र	19/11/2014	सूर्य	19/10/2021	चंद्र	02/05/2039
केतु	21/05/1999	शुक्र	20/05/2005	सूर्य	21/05/2015	चंद्र	20/05/2022	मंगल	20/05/2040

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
20/05/2040		20/05/2056		21/05/2075		20/05/2092		21/05/2099	
20/05/2056		21/05/2075		20/05/2092		21/05/2099		00/00/0000	
गुरु	08/07/2042	शनि	24/05/2059	बुध	16/10/2077	केतु	16/10/2092	शुक्र	20/09/2102
शनि	18/01/2045	बुध	31/01/2062	केतु	14/10/2078	शुक्र	16/12/2093	सूर्य	20/09/2103
बुध	26/04/2047	केतु	12/03/2063	शुक्र	13/08/2081	सूर्य	23/04/2094	चंद्र	21/05/2105
केतु	01/04/2048	शुक्र	11/05/2066	सूर्य	20/06/2082	चंद्र	22/11/2094	मंगल	21/07/2106
शुक्र	01/12/2050	सूर्य	23/04/2067	चंद्र	19/11/2083	मंगल	20/04/2095	राहु	21/07/2109
सूर्य	19/09/2051	चंद्र	22/11/2068	मंगल	16/11/2084	राहु	08/05/2096	गुरु	21/03/2112
चंद्र	18/01/2053	मंगल	31/12/2069	राहु	05/06/2087	गुरु	14/04/2097	शनि	22/05/2115
मंगल	25/12/2053	राहु	06/11/2072	गुरु	10/09/2089	शनि	24/05/2098	बुध	08/02/2116
राहु	20/05/2056	गुरु	21/05/2075	शनि	20/05/2092	बुध	21/05/2099		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 3 वर्ष 3 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।